वर्षः- 06
अंकः- 19
मुरादाबाद
(Sunday)
10 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

शुभेंदु बने सीएम-पांच मंत्रियों ने ली शपथ, PM मोदी बोले- 9 मई 2026 का दिन इतिहास में दर्ज

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कई चर्चित पल देखने को मिले। शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी समारोह स्थल पर मौजूद समर्थकों को दंडवत प्रणाम कर अभिवादन किया। कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में आयोजित इस भव्य समारोह में अमित शाह समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। आइए देखते हैं समारोह की झलकियां। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आज का दिन

PM ने कार्यकर्ता के छुए पैर, शुभेंदु को लगाया गले, मंच पर हुए दंडवत

इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। आजादी के बाद पहली बार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई और शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पीएम मोदी ने समर्थकों और कार्यकर्ताओं को दंडवत प्रमाण किया। शुभेंदु अधिकारी के साथ इन पांच विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली हैं। इनमें शामिल हैं दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तिनिया, क्षुदीराम टुडु, निशिथ प्रमाणिक।शुभेंदु ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल में अब सोनार बांग्ला के नए दौर की आधिकारिक शुरुआत हो रही है।

शुभेंदु अधिकारी ने शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूकर लिया आशीर्वाद।प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के वरिष्ठतम कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का अभिनंदन किया और उनसे आशीर्वाद लिया। 98 वर्ष की आयु में भी श्री माखनलाल सरकार स्वतंत्रतोत्तर भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती जमीनी स्तर के नेताओं में से एक हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शुभेंदु अधिकारी ने मंच पर रखी गई गुरुदेव टैगौर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए।भाजपा नेता दिलीप घोष शुभेंदु के मंत्रिमंडल में शामिल हो चुके हैं। घोष की बात करें तो वो पश्चिम मेदिनीपुर के खड़गपुर सदर से चुनाव जीते हैं। उन्होंने सात बार के विधायक ज्ञान सिंह सोहनपाल को हराया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य वरिष्ठ एनडीए नेता समारोह में मंच पर मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी सहित भाजपा शासित प्रदेशों के सीएम ने इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती और पीएम मोदी शपथ ग्रहण समारोह के दौरान बातचीत करते हुए नजर आए। कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोड शो किया।

पीएम ने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया।शपथ ग्रहण समरोह के दौरान भाजपा नेताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। दिल्ली की सीएम रेख गुप्ता, बिहार के सीएम सम्राट चौधरी और हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने विक्ट्री साइन दिखाकर फोटो खिचाई। पश्चिम बंगाल की राजनीति में 9 मई 2026 का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया।

आजादी के बाद पहली बार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई और शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी पीएम मोदी के पास पहुंचे और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष समेत चार विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि शुभेंदु जनता से गहराई से जुड़े रहे हैं और लोगों की आकांक्षाओं को करीब से समझते हैं। शुभेंदु अधिकारी ने ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में शुभेंदु अधिकारी को राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ देवी दुर्गा की एक तस्वीर और मंच पर शुभेंदु अधिकारी को बधाई देते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की।पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सीएम बनने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, %यह दिन देश और पश्चिम बंगाल, दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री की यह इच्छा थी कि नई सरकार का गठन रवींद्र जयंती के अवसर पर हो। यही कारण है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, गुरु रवींद्रनाथ को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। जोड़ासांको में नमन करने के बाद मेरे काम की शुरुआत होगी।%बंगाल सरकार के शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं के परिजनों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल सरकार के शपथ ग्रहण के बाद सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, %9 मई 2026 का दिन इतिहास में एक बेहद महत्वपूर्ण दिन के रूप में अंकित किया जाएगा। यह तारीख हमारी स्मृतियों में एक ऐसे दिन के रूप में बना रहेगा, जो अपने साथ नियति का बोझ और आशा, गरिमा और सुशासन के एक नए अध्याय का वादा लेकर आया। कोलकाता के प्रतिष्ठित %ब्रिगेड परेड ग्राउंड% में, भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण हुआ। मेरे और मेरे साथ कई अन्य लोगों को भी, इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यहाँ उस अवसर की कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं।%पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने की चर्चा के बीच उनके पड़ोस में रहने वाले एक निवासी ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में राज्य में कानून व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। स्थानीय निवासी ने कहा कि शुरुआती दिनों से ही शुभेंदु अधिकारी अपने साथियों और दोस्तों के साथ हमेशा एकजुट होकर खड़े रहे हैं और जरूरत पड़ने पर मदद के लिए आगे आते रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुभेंदु अधिकारी अपने पुराने संबंधों और संघर्षों को नहीं भूलते और लोगों की मदद स्नेह के साथ करते हैं। निवासी ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पूरे पश्चिम बंगाल की समस्याओं का ध्यान रखेंगे और महिलाओं की सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था को बेहतर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के अस्पतालों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए और शिक्षा व्यवस्था में सुधार जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को भेजा कारण बताओ नोटिस, 14 दिनों के अंदर देना होगा जवाब

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट वापसी से पहले लगातार मुश्किल में घिरती जा रही हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विनेश को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसका जवाब देने के लिए उन्हें 14 दिनों का समय दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को पहलवान विनेश फोगाट को करार बताओ नोटिस भेजा है। डब्ल्यूएफआई ने अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर विनेश को नोटिस भेजा है। इतना ही नहीं विनेश जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंट में भाग्य लेने के लिए अयोग्य घोषित की गई हैं क्योंकि उन्होंने यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियम के तहत संन्यास से वापसी के बाद जरूरी छह महीने का नोटिस पीरियड नहीं दिया है। कि यदि विनेश दोबारा कुश्ती में वापसी करना चाहती हैं, तो उन्हें आईटीए या इंटरनेशनल फेडरेशन को कम से कम छह महीने पहले सूचना देनी होगी और इस दौरान एंटी-डोपिंग टेस्टिंग के लिए उपलब्ध रहना होगा। वाडा नियम 5.6.1 के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी लंबे समय तक टेस्टिंग सिस्टम से बाहर रहने के बाद सीधे प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकता। ऐसा करने पर उसके परिणाम अमान्य घोषित किए जा सकते हैं। 15 पन्नों के नोटिस में, डब्ल्यूएफआई ने आरोप लगाया कि विनेश के आचरण ने राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा किया है

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा गिरफ्तारः रेड के दौरान ED ने किया अरेस्ट, मान बोले-मोदी हमें नहीं झुका सकते

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ सेक्टर 2 स्थित घर पर ईडी की रेड हुई है। कुछ दिन पहले उनके लुधियाना वाले आवास पर भी रेड हुई थी। इस रेड के बाद पंजाब का सियासी पारा फिर चढ़ गया है।पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार सुबह से अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित आवास पर ईडी की रेड चल रही है। सेक्टर दो में अरोड़ा के आवास पर सुबह करीब 20 गाड़ियों में टीम पहुंची है। मंत्री संजीव अरोड़ा पर महीने भर में ईडी की दूसरी कार्रवाई है। इससे पहले उनके लुधियाना के ठिकानों पर दबिश हुई थी।पंजाब नहीं झुकेगा-सीएम वहीं इस रेड पर भड़के सीएम भगवंत मान ने ट्वीट कर भाजपा पर निशाना साधा है। सीएम ने एक्स पर लिखा-आज फिर बीजेपी की ईडी संजीव अरोड़ा के घर आई है। एक साल में यह तीसरी बार है जब बीजेपी की ईडी उनके घर आई है, और एक महीने में दूसरी बार। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला। मैं मोदी जी से कहना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की धरती है; औरंगजेब भी इसे झुका नहीं पाया था। यह भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने अंग्रेजों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया; इसलिए पंजाब मोदी की चालों के आगे कभी नहीं झुकेगा। पंजाब, ईडी और भाजपा के इस अनैतिक गठबंधन को खत्म कर देगा। भाजपा के मंसूबे नहीं होंगे सफल- संगरूर में पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने चेतावनी देते हुए कहा कि पंजाब के भाईचारे को तोड़ने के भाजपा के मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे और पंजाब के साथ किए जा रहे अन्याय का पंजाबी कड़ा जवाब देंगे। मुख्यमंत्री ने भाजपा की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जब भी चुनाव करीब आते हैं तो भाजपा बम धमाकों, मानहानि के नोटिसों और ईडी की रेड जैसे हथकंडों का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा मानहानि के नोटिस भेजकर डराना चाहती है, लेकिन हमें इनकी कोई परवाह नहीं है। मोदी सरकार को अपनी तानाशाही और ऐसे घटिया हथकंडे बंद करने चाहिए। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि वहां शपथ ग्रहण से पहले ही हिंसा का माहौल बना दिया गया है। पूरा बंगाल जल रहा है। सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब की धरती बहुत उपजाऊ है, यहां हर तरह के बीज बोए जा सकते हैं, लेकिन नफरत की पैदावार यहां कभी नहीं हो सकती। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां का आपसी भाईचारा बहुत मजबूत है और दिल्ली की सत्ता पंजाब के साथ जो अन्याय कर रही है, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा।दो दिन पहले मोहाली में हुई थी रेड

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वीरवार को मोहाली और चंडीगढ़ में करीब 12 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे थे। मोहाली के छज्जू माजरा स्थित वेस्टर्न टावर्स सोसाइटी में सुबह आईटी कारोबारी नितिन के फ्लैट पर रेड की गई थी। नितिन को मुख्यमंत्री के ओएसडी का करीबी बताया जा रहा है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तब मुख्यमंत्री ने कहा था कि इन कार्रवाइयों से उनकी सरकार का कोई संबंध नहीं है।

मोदी ने पंजाब को ललकारा है-केजरीवाल

वहीं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जैसे ही बंगाल चुनाव खत्म हुए, मोदी ने पंजाब में रोज ईडी की रेड करना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ साल में मोदी जी ने पंजाब के साथ बहुत धक्का किया है। पंजाबियों को तरह तरह से प्रताड़ित किया है। पंजाब के पानी पर हमला किया, पंजाब यूनिवर्सिटी को लेने की कोशिश की, ग्रामीण विकास का पैसा रोक लिया और अब ईडी की ताबड़तोड़ रेड शुरू कर दी। अशोक मित्तल के यहां रेड हुई, अगले दिन उनको बीजेपी में शामिल करवा लिया। इसका मतलब ईडी की रेड का मकसद चोरी का पैसा ढूंढना नहीं था। केवल अशोक मित्तल को तोड़कर उन्हें बीजेपी में शामिल करवाना था। कुछ दिन पहले संजीव अरोड़ा के यहां भी रेड हुई। वो बीजेपी में शामिल नहीं हुए तो उनके यहां फिर से रेड करवा दी।

पंजाब गुरुओं की धरती है। कई सौ साल पहले औरंगजेब ने जुर्म और अत्याचार के जरिए देश के कई भागों पर कब्जा कर लिया। मोदी जी ने भी बेईमानी से देश के कई हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। उसके बाद औरंगजेब पंजाब पहुंचा।

मोदी जी भी अब पंजाब पहुंचे हैं। औरंगजेब ने गुरुओं पर बहुत अत्याचार किए। मोदी जी भी पंजाबियों पर अत्याचार कर रहे हैं। पर गुरुओं ने कुर्बानी देकर औरंगजेब का सामना किया और लोगों को बचाया। आज गुरुओं की कुर्बानी से प्रेरणा लेकर पंजाब मोदी जी के अत्याचार का सामना करेगा और पूरे देश को उनके अत्याचार से बचाएगा। कुछ वर्ष पहले मोदी जी ने पंजाब के किसानों को ललकारा था और उन्हें किसानों के आगे झुकना पड़ा। आज मोदी जी ने पूरे पंजाब को ललकारा है।

संपादकीय Editorial

Mamata Banerjee's "Election Loot" Slogan

Despite her crushing defeat in the elections, Mamata Banerjee has launched a new rhetoric, claiming she will not go to Lok Bhavan and resign as Chief Minister. She hasn't lost the election, so why should she resign? She hasn't lost the election, but rather, her 100 seats have been forcibly stolen. The Election Commission is the "main villain," and this "election loot" was carried out under the supervision of the Prime Minister and Home Minister. Mamata Banerjee makes a very serious allegation: she was kicked in the stomach and back at the counting center. She was pushed out of the counting center. These allegations are also violent. When Mamata Banerjee went to the counting center, she was the Chief Minister of West Bengal and a candidate for the Bhawanipur seat. The question and wonder is how could anyone violently attack a Chief Minister, a woman Chief Minister, in a public place? Where were the security personnel? Why wasn't an FIR filed for such an attack? Are there any witnesses to the attack? Nevertheless, Mamata Banerjee has launched a new slogan: "Election Loot." She will now fight on this issue on the streets and return to power. Mamata Banerjee has undoubtedly been a warrior-like leader. Whether or not she resigns as Chief Minister after her defeat, she will automatically become a "former Chief Minister" after May 7th. The current Assembly's term is only until May 7th. The Election Commission has sent notifications of the newly elected MLAs of Assam and Bengal to the respective Governors. The Governor will appoint a "Pro-tem Speaker" who will administer the oath to all MLAs. When the new Assembly is formed and Mamata Banerjee is no longer an MLA, how can she remain Chief Minister? The new Chief Minister and Cabinet can be sworn in on May 9th. In fact, Article 154 of the Constitution clearly states that all executive powers of the state are vested in the Governor. The Governor exercises these powers either directly or through subordinate officials (Chief Minister and Ministers). If the Governor wishes, he can also remove the Chief Minister, as such appointments are limited to the Governor's pleasure. The fact that the Chief Minister must command a "simple majority" in the House is a separate issue. If a majority or confidence is to be tested, the final decision will be in the House. However, no outgoing Chief Minister can refuse to resign after the election, just before the transfer of power. There is no moral or ethical victory or defeat. Whoever has the decisive mandate will rule. If Mamata Banerjee believes the mandate has been stolen, she should approach the Supreme Court with data and arguments. Mamata Banerjee's rant about "electoral robbery" and her refusal to submit her resignation to the Governor is a gross mockery of democracy and the Constitution. We cannot recall any Chief Minister in the country refusing to resign after losing an election! Democracy has given a decisive mandate against Mamata Banerjee, and she should accept it with humility. Tamil Nadu Chief Minister Stalin and Kerala Chief Minister Vijayan have resigned after their electoral defeats. The process of transferring power has already begun in those states. No Prime Minister of the country has ever delayed resigning after receiving the mandate. This is the beauty and strength of Indian democracy. However, opposition leaders like Rahul Gandhi, Akhilesh Yadav, Uddhav Thackeray, Kejriwal, Hemant Soren, and Tejashwi Yadav have now declared their support for Mamata Banerjee's "loot" slogan. Congress leader Rahul Gandhi, in particular, had openly opposed Mamata Banerjee during the elections and blamed her polarizing politics for the BJP's inroads in Bengal.

Fake secularism exposed again

Rahul Gandhi questioned the Assam and Bengal election results, despite previously criticizing Mamata Banerjee. The article attributes the BJP's victory and Hindu polarization to "fake secularism" and Muslim vote bank politics, leading to Mamata's loss. Rahul Gandhi questioned the Assam and Bengal election results. "Fake secularism" fueled Hindu polarization. Corruption and appeasement were also key factors in Mamata's defeat. Of the five state elections, Rahul Gandhi disapproved of the Assam and Bengal election results. He stated, "Assam and West Bengal are clear examples where the BJP stole elections with the support of the Election Commission. We agree with Mamata Banerjee that more than 100 seats were stolen in Bengal. We have seen this tactic before in Madhya Pradesh, Haryana, Maharashtra, and the 2024 Lok Sabha elections. Election theft, institutional theft—what more is there to do now?" Surprisingly, he made no such comment about Kerala, Tamil Nadu, and Puducherry. He couldn't even speak about Kerala, as the Congress-led front had won there. After the election results, he congratulated TVK chief Joseph Vijay, who had won a landslide victory in Tamil Nadu, and also spoke with Stalin, who had suffered defeat. It's worth noting that Stalin has accepted the election results with ease. Rahul Gandhi also spoke with Mamata Banerjee and, in an ex-post, advised those in the Congress party who were celebrating the TMC's defeat to be cautious. This is the same Rahul Gandhi who, just before the second phase of voting in Bengal, targeted Mamata Banerjee, saying that if anyone wanted employment in Bengal, they must have some connection with the TMC, otherwise they wouldn't find work. Mamata works solely for TMC goons and her own party members, and doesn't help the public. He also said, "Today, there is no democracy in Bengal, but TMC hooliganism." How can Rahul forget his own words so quickly? Granted, politicians have a short memory, but how can anyone forget what they said 10-12 days ago? While campaigning in Bengal, Rahul Gandhi had also said about Mamata Banerjee that the BJP got a chance because of the growing polarization in Bengal. There's no denying that voter polarization was one of the many reasons for the BJP's victory in Bengal. There are ample reasons to conclude that a large number of Hindu voters rallied behind the BJP, leading to its landslide victory. However, this wasn't solely due to the BJP's Hindutva politics. It also happened because parties like the Congress and the Trinamool Congress (TMC) work to consolidate Muslim votes in the name of so-called secularism. In reality, most parties that claim to be secular do this. The Congress does this across the country, and Mamata Banerjee was doing the same in Bengal, and she was doing it so openly that it became Muslim appeasement. Muslims generally vote en masse for a party, and since the rise of the BJP, they have been particularly vocal in their support for the party that appears capable of defeating it. This prompted so-called secular parties to work extra hard to mobilize them. They would create the BJP's bogey, making their work easier. This consolidation of Muslim votes came to be termed secular politics rather than polarization. Due to this pseudo-secular politics, a time came when Muslim votes became a kind of veto power for anti-BJP parties. When the BJP began consolidating Hindu votes in response to the consolidation of Muslim votes, its opponents began labeling it as practicing polarizing communal politics. The BJP, ignoring this label, labeled secularism as pseudo-secularism, and it stuck to it firmly because it was the truth. Undoubtedly, the TMC suffered losses in Bengal due to the division of Muslim votes, but if Mamata hadn't so openly appeased the Muslim community, Hindus wouldn't have so openly rallied behind the BJP. Mamata didn't lose only because Muslim votes were divided, and the majority of Hindu votes went to the BJP. She also lost because her rule became synonymous with favoritism, the corruption and hooliganism of her leaders. Despite having a female Chief Minister, women's insecurity became a major issue in the state. Mamata also paid the price for ignoring infiltrators and appeasing Muslims. The Congress paid the same price in Assam. Consider that Badruddin Ajmal, who once contested elections in Assam in alliance with the Congress, called the Congress the Muslim League of today. It's unclear why he said this, but the fraud that mobilizing Muslims is secular politics and uniting Hindus in response to it is communal politics must now be stopped. Muslim votes also lost their veto in Assam and Bengal, and the myth that their votes can sail through a party's electoral campaign was shattered, as their polarisation leads to reverse polarisation.

Strategic preparedness must be sharpened

Operation Sindoor marked a turning point in India's strategic landscape, where intent, capability, and strategic perspectives clearly aligned. The successful crackdown on terrorist bases following the Pahalgam attack demonstrated India's firepower and resolve. It highlighted the need for military modernization and institutional reforms. Operation Sindoor marked a decisive milestone in India's Pakistan policy. The results of this limited-duty military operation had far-reaching implications. In response to the brutal terrorist attack in Pahalgam, the operation successfully dismantled terrorist bases operating in remote locations within Pakistan. New Delhi's response to the terrorist infrastructure was neither purely emotional nor purely symbolic. It was a measured, well-planned strategic action that defined a new standard of deterrence. India delivered a befitting response, targeting Pakistani military bases that Pakistan might not have even considered. While India agreed to a ceasefire four days later after Pakistan's persuasion, it also made clear that the operation had only paused, not ended. Operation Sindoor not only demonstrated India's lethal capabilities but also its determination to respond to attacks against it with a resounding, lasting response. With political leadership's clarity, the armed forces displayed unparalleled valor. Every success brings with it lessons, and Operation Sindoor was no exception. It completely deflated Pakistan's nuclear arrogance. Although the factors that fueled tensions remain, India's clear stance has certainly drawn a line. Operation Sindoor also witnessed remarkable coordination between the three services. The Navy's prompt deployment in the Arabian Sea was particularly commendable. Nevertheless, it must be acknowledged that further efforts are needed to improve coordination between the three services, particularly regarding real-time integrated operations. Operation Sindoor further strengthened the role of security forces in targeting and inflicting a lesson on the enemy from a distance with precision strike capabilities. The use of missiles, drones, and beyond-visual-range warfare ensured maximum impact of attacks while minimizing India's risk. However, it also exposed certain weaknesses in air defense, anti-drone capabilities, intelligence, surveillance, and reconnaissance capabilities, and communications resilience. This clearly conveys the limitations of adopting specific technologies based solely on convenience, without full systemic integration. While India achieved decisive success in this military conflict, some initial setbacks also highlighted existing imbalances in military capabilities. The lack of necessary squadron capabilities, limitations in long-range strike systems, and weaknesses on the electronic warfare front must be addressed and strengthened immediately. With Operation Sindoor, India further clarified its approach to counterterrorism. India has made it clear that no distinction will be made between terrorist elements and countries harboring them, and they will have to pay the price. The technological dimension of this operation is equally important. The extensive use of drones, loitering munitions, and sophisticated air defense shields not only draws on India's own experiences but also draws on lessons learned from trends in contemporary global conflicts. Consequently, India has accelerated its efforts to achieve self-reliance in defense equipment. The Chinese intelligence and logistical support provided to Pakistan in Operation Sindoor cannot be overlooked. This complexity has further underscored the need to further strengthen India's preparedness for a potential conflict on two fronts. We must sharpen both our intent and capabilities, ensuring these are not merely mere declarations but readily deployable when needed. Initiatives like the Chief of Defense Staff (CDS) have been very good, but coordination among the armed forces within this framework must be further improved. While coordination has improved somewhat, some lack of integration and imbalance persist in planning, command structures, and resource allocation. The biggest challenge will be translating the intent into reality, such as harmonizing the institutional cultures of the armed forces, enhancing flexibility across various branches of the military, and establishing an integrated framework for strategic preparedness. If strategic change is to be sustainable, these organizational reforms must be addressed alongside technological modernization. Operation Sindoor marked a turning point in India's strategic landscape, where intent, capability, and strategic perspectives clearly aligned. It demonstrated that this is not the old India that succumbed to pressure, but an India that exerted pressure on the enemy, leveraging technological superiority to significantly expand its options without escalating the conflict. Sustaining the successes achieved in that struggle will require a political resolve that prioritizes institutional reforms over cosmetic reforms. Otherwise, the potential generated by Operation Sindoor will remain a symbol of a missed opportunity.However, it also exposed certain weaknesses in air defense, anti-drone capabilities, intelligence, surveillance, and reconnaissance capabilities, and communications resilience. This clearly conveys the limitations of adopting specific technologies based solely on convenience, without full systemic integration. While India achieved decisive success in this military conflict, some initial setbacks also highlighted existing imbalances in military capabilities. The lack of necessary squadron capabilities, limitations in long-range strike systems, and weaknesses on the electronic warfare front must be addressed and strengthened immediately. With Operation Sindoor, India further clarified its approach to counterterrorism. India has made it clear that no distinction will be made between terrorist elements and countries harboring them, and they will have to pay the price. The technological dimension of this operation is equally important. The extensive use of drones, loitering munitions, and sophisticated air defense shields not only draws on India's own experiences but also draws on lessons learned from trends in contemporary global conflicts. Consequently, India has accelerated its efforts to achieve self-reliance in defense equipment. The Chinese intelligence and logistical support provided to Pakistan in Operation Sindoor cannot be overlooked. This complexity has further underscored the need to further strengthen India's preparedness for a potential conflict on two fronts. We must sharpen both our intent and capabilities, ensuring these are not merely mere declarations but readily deployable when needed. Initiatives like the Chief of Defense Staff (CDS) have been very good, but coordination among the armed forces within this framework must be further improved. While coordination has improved somewhat, some lack of integration and imbalance persist in planning, command structures, and resource allocation. The biggest challenge will be translating the intent into reality, such as harmonizing the institutional cultures of the armed forces, enhancing flexibility.

अरमान-काजल की हत्याकांड: 350 पेज की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल, बनाए गए 15 गवाह, प्रेम-प्रसंग के चलते हुआ कत्ल

पाकबड़ा के बहुचर्चित अरमान-काजल हत्याकांड में पुलिस ने 350 पेज की चार्जशीट अदालत में दाखिल कर दी है। चार्जशीट में 15 गवाहों के बयान के साथ डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों को शामिल किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेमी युगल अरमान और काजल की हत्या काजल के भाइयों सतीश, रिंकू और राजाराम ने पीट-पीटकर की थी। बहुचर्चित अरमान-काजल हत्याकांड में पुलिस ने अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। 350 पेज की इस चार्जशीट में 15 गवाह शामिल किए गए हैं, जबकि डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्य भी चार्जशीट का हिस्सा बनाए गए हैं। उमरी सब्जीपुर गांव निवासी मो. हनीफ के पांच बेटों में तीसरे नंबर के बेटे अरमान (27) और गांव निवासी गनपत सैनी की बेटी काजल (24) के बीच प्रेम संबंध चल रहा था।18 जनवरी 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे अरमान अपनी प्रेमिका काजल से मिलने उसके घर पहुंच गया था। इसी दौरान काजल के तीनों भाई सतीश, रिंकू और राजाराम आ गए थे। तीनों भाइयों ने दोनों को पकड़ लिया था और कमरे में ही पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।दोनों के शव बोरी में बंद कर घर से करीब दो किलोमीटर दूर गांगन नदी किनारे ले गए और गड्ढा खोकर दबा दिए थे। तीन दिन तक अरमान अपने घर नहीं लौटा और उसका मोबाइल भी बंद था। उधर काजल भी नहीं दिखाई दे रही थी। अरमान के पिता मो. हनीफ ने इसकी जानकारी पाकबड़ा थाने में दी तो पुलिस अलर्ट हुई।पुलिस ने काजल के तीनों भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने दोनों की हत्या करने की बात कबूल कर ली थी। तीनों आरोपी जेल में हैं। पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड में मजबूत चार्जशीट बनाने के लिए हर एक पहलू पर गहनता से जांच की। लोगों के बयान दर्ज किए।इसके अलावा फोरेंसिक और डिजिटल साक्ष्य भी चार्जशीट का हिस्सा बनाए हैं। करीब 350 पेज की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी गई है। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि दोहरे हत्याकांड में तीन भाई रिंकू, सतीश और राजा राम के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई।

सपा में फिर सामने आई अंदरूनी खींचतान, टिकट की मांग पर भड़के नसीमुद्दीन, खाना छोड़ बीच कार्यक्रम से निकले

मुरादाबाद में पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी नाराज होकर कार्यक्रम छोड़ गए। दरअसल, मुरादाबाद सीट पर सलीम अख्तर के लिए टिकट मांगते ही माहौल बिगड़ गया। नसीमुद्दीन खाना छोड़ बीच कार्यक्रम से निकल गए। सिद्दीकी ने कहा कि मुझे बुलाकर आयोजकों ने अपमान किया है। मैं टिकट दिलाने वाला कौन होता हूं।समाजवादी पार्टी में सब कुछ ठीक होने का दावा करने वाले नेता मंच से उतरते ही अपनी ही पार्टी की अंदरूनी खींचतान में घिर गए। रामगंगा विहार स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी उस समय नाराज होकर कार्यक्रम छोड़ गए, जब समर्थकों ने उनके सामने 2027 के विधानसभा चुनाव में मुरादाबाद सीट से सलीम अख्तर को टिकट दिलाने की मांग रख दी। रतनपुर कलां में प्रस्तावित पीडीए महापंचायत को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी में किसी भी तरह के मतभेद से इन्कार किया था। उन्होंने कहा था कि सपा में मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं। सभी नेताओं का लक्ष्य 2027 में पार्टी को भारी जीत दिलाना है। लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होने के कुछ ही मिनट बाद बैंक्वेट हॉल का माहौल बदल गया। सूत्रों के अनुसार भोजन के दौरान सलीम अख्तर समर्थकों ने नसीमुद्दीन सिद्दीकी के सामने मुरादाबाद विधानसभा सीट पर टिकट की पैरवी करने की मांग रख दी। यह सुनते ही सिद्दीकी का पारा चढ़ गया। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि... मैं टिकट दिलाने वाला कौन होता हूं, मुझे पार्टी में आए अभी कितना समय हुआ है। इतना कहकर वह खाने की टेबल से उठ गए और बाहर की ओर बढ़ गए। मौके पर मौजूद विधायक नवाब जान, सलीम अख्तर और अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी और हाथ झटकते हुए कार्यक्रम से निकल गए। खास बात यह रही कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के अधिकांश जनप्रतिनिधि नदारद रहे।सिर्फ विधायक नवाब जान और कुछ पदाधिकारी ही मौजूद थे, जबकि सांसद और अन्य विधायक कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। सिद्दीकी ने संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता और देहात विधायक हाजी नासिर कुरैशी की पत्नी की तबीयत खराब होने का तर्क दिया। घटनाक्रम ने सपा की अंदरूनी कलह को फिर उजागर कर दिया। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हैं।300 यूनिट बिजली मुफ्त, महिलाओं को 40000 की आर्थिक सहायता देगी सपा - नसीमुद्दीन समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने मिशन 2027 के तहत भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। रामगंगा विहार स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि सपा पीडीए के दम पर 2027 में सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने दावा किया कि सपा सरकार बनने पर महिलाओं को 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी। भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और अपराध चरम पर हैं। गैस सिलिंडर से लेकर रसोई तक सब महंगा हो चुका है। बुलडोजर कार्रवाई के मुद्दे पर नसीमुद्दीन ने कहा कि जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है, उसके घर बुलडोजर चलवा दिया जाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मेरे घर बुलडोजर नहीं चला सकते, क्योंकि चारों तरफ आर्मी के आवास हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों से अधिकारियों को भेजकर चुनाव प्रभावित किए गए। चुनाव आयोग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह भाजपा की कठपुतली बन चुका है। उन्होंने कहा कि सपा पूरे प्रदेश में पीडीए को मजबूत करने में जुटी है और हर समाज को संगठन से जोड़ा जा रहा है। मुरादाबाद को समाजवादियों का गढ़ बताते हुए कहा कि यहां सपा पहले भी मजबूत थी और आगे भी रहेगी। ओवैसी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कौन हैं, हमें नहीं पता। वहीं आजम खां को बड़ा नेता बताते हुए कहा कि उनकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। इस कार्यक्रम में सपा के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव, नवाब जान, सलीम अख्तर, इकबाल अंसारी, बलराम सैनी, हाजी शब्बन, फुरकान अली, लाखन सिंह सैनी, धर्मेंद्र यादव, कमरे आलम, विकास चौधरी आदि मौजूद रहे।

टोल प्लाजा के कर्मचारियों पर हमला, बिना टैक्स दिए निकाले गए वाहन, किसान नेताओं पर गंभीर आरोप

मुरादाबाद इब्राहीमपुर टोल प्लाजा पर किसान संगठन पदाधिकारियों और टोल कर्मियों में विवाद हो गया। आरोप है कि संगठन से जुड़े लोगों ने कर्मचारियों पर हमला कर वाहन फ्री करा दिए। पुलिस ने पांच नामजद और 15-20 अज्ञात आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।बिलारी थाना क्षेत्र में मुरादाबाद आगरा हाई पर स्थित इब्राहीमपुर टोल प्लाजा पर टैक्स देने को लेकर किसान संगठन के पदाधिकारियों और टोल कर्मियों में नोकझोंक हो गई। टोल प्रबंधक ने किसान संगठन पदाधिकारियों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने कर्मचारियों पर हमला कर दिया और वाहन फ्री करा दिए। पुलिस ने पांच नामजद और 15-20 अज्ञात आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।इब्राहीमपुर टोल प्लाजा के प्रबंधक एवं हरियाणा के रेवाड़ी निवासी सोनू यादव की ओर से दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार की दोपहर करीब सवा बारह बजे पांच गाड़ियों में सवार कुछ लोग इब्राहीमपुर टोल प्लाजा पर पहुंचे। सभी गाड़ियों पर किसान संगठन का नाम लिखा था।गाड़ियों से उतरे लोगों में संभल जिले के थाना गुन्नौर थाना क्षेत्र नगलिया मझरा कोहेरा गांव निवासी कुंवरपाल सिंह यादव स्वयं को किसान यूनियन महात्मा टिकैट संगठन का जिलाध्यक्ष बता रहा था। उसके साथ रविंद्र कुमार निवासी सैमला गुन्नौर, नजमे आलम निवासी लौहामई थाना जुनावई, स्योराज सिंह निवासी मुरेना थाना धनारी, वीरेश कुमार निवासी भोजराजपुर थाना बबराला जिला संभल के अलावा 15 अज्ञात साथी भी लाठी-डंडों से लेस होकर आए थे।टोल प्रबंधक के अनुसार गाड़ियों से उतरे लोगों ने टोल प्लाजा पर ड्यूटी पर मौजूद सुपरवाइजर विपिन, उर्मिला व श्वेता के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान मौके पर आने वाले अनेक वाहन बिना टोल टैक्स दिए बिना ही टोल प्लाजा से निकल गए। राजस्व की हानि हुई। टोल प्रबंधक का आरोप है कि शोर सुनकर जब वह मौके पर पहुंचे तब आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता शुरू कर दी और कहने लगे कि हमें अपने संगठन के लिए इस टोल से प्रति माह 50 हजार रुपये चाहिए। दोनों महिला सुपरवाइजर उर्मिला और श्वेता को जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया सुपरवाइजर विपिन से मोबाइल और 26 हजार रुपये की नकदी भी छीन लिए हैं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी। किसान संगठन के पदाधिकारी पहुंचे थाने- टोल प्लाजा पर शुक्रवार दोपहर कर्मियों और संगठन पदाधिकारियों से विवाद होने की जानकारी संगठन के कई पदाधिकारी भी थाने पहुंच गए और उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। जसपाल फौजी ने स्वयं को संगठन का मुरादाबाद मंडलाध्यक्ष, सुशील चौधरी ने मुरादाबाद जिलाध्यक्ष, ज्ञानपाल सिंह यादव ने रामपुर जिलाध्यक्ष, अंकुर चौधरी ने अमरोहा जिलाध्यक्ष, विक्की चौधरी ने मुरादाबाद जिला प्रवक्ता और बॉबी प्रजापति ने जिला उपाध्यक्ष बताया। पदाधिकारियों ने सीओ बिलारी और थाना प्रभारी बिलारी से मिलकर अपने संगठन के पदाधिकारियों का पक्ष रखा। मंडलाध्यक्ष जसपाल फौजी ने बताया कि इब्राहीमपुर टोल प्लाजा पर नियम विरुद्ध कार्य नहीं होने दिए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

मंगूपुरा के मदरसा जामिया अरबिया पर चला बुलडोजर, भूमि अधिग्रहण मामले में एमडीए की कार्रवाई

मुरादाबाद के मंगूपुरा स्थित मदरसा जामिया अरबिया पर शनिवार को विकास प्राधिकरण (एमडीए) ने भूमि अधिग्रहण मामले में बुलडोजर कार्रवाई की। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई ध्वस्तीकरण कार्रवाई दोपहर बाद तक चलती रही।मौके पर एमडीए उपाध्यक्ष, सचिव, जेई समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार मदरसा भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के दायरे में था। जिस पर नियमानुसार कार्रवाई की गई प्रशासन ने कहा कि सरकारी भूमि और विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

नशे की हालत में दोस्त को नाले के ऊपर बैठाया, डूबकर गिरने से चली गई जान, सीसीटीवी से हकीकत आई सामने

मुरादाबाद में दोस्त की लापरवाही से ही कार चालक की जान चली गई थी। पुलिस ने अमर की मां की तहरीर पर उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच में सीसीटीवी से पूरी घटना सामने आई थी। मझोला थानाक्षेत्र में श्री राम चौक के पास नाले में गिरकर कार चालक अमन उर्फ विक्की की मौत उसके दोस्त बंटी कश्यप की लापरवाही के कारण हुई थी। आरोपी बंटी ने उसे नशे की हालत में नाले के पास बैठा दिया और इसके बाद मौके से चला गया था। पुलिस ने अमन की मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि सोमवार की सुबह मझोला थाना क्षेत्र के श्रीराम चौक के पास नाले में एक युवक की लाश मिली थी। मृतक की पहचान सिविल लाइंस क्षेत्र के रामगंगा विहार केसरी कुंज निवासी अमन उर्फ विक्की (26) के रूप में हुई थी। उसके परिवार में पिता अशोक, मां राजेश्वरी और दो बहनें निशा व नीशु हैं।पिता ने पुलिस को बताया था कि उसका बेटा अमन उर्फ विक्की कार चलाता था। इसके बाद पुलिस ने आस पड़ोस की सीसीटीवी फुटेज चेक कीं थीं। जिसमें अमन अपने एक साथी के साथ लड़खड़ाते हुए जाता दिख रहा था। इस फुटेज के जरिए पुलिस ने उसके दोस्त बंटी कश्यप की तस्दीक की। वह सिविल लाइंस के आशियाना कॉलोनी निवासी है। अमन की मां ने बंटी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि आरोपी ने उसके बेटे को नशे की हालत में नाले के पास बैठा दिया था। इसके बाद बंटी वहां से चला गया था। अमन उर्फ विक्की नाले में गिर गया था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। बंटी की लापरवाही के कारण उसके बेटे की मौत हुई है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी बंटी कश्यप के खिलाफ गैर इरादतन हत्या में रिपोर्ट दर्ज की गई है। शुक्रवार की दोपहर बाद उसे कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है। बिहार चला गया था बंटी, वापस आकर अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ आरोपी बंटी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि अमन के नाले में गिरने से वह डर गया था। अगले दिन उसे देखने भी गया था लेकिन अमन उसे दिखाई नहीं दिया । तीन मई को उसकी लाश मिली तो वह पोस्टमार्टम भी गया था और अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ था लेकिन जैसे ही उसकी तलाश शुरू तो वह बिहार भाग गया था। बृहस्पतिवार की रात वह बिहार से वापस आया तो पुलिस ने उसे दबोच लिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पीलीभीत में बेटियों के सम्मान का महाअभियान, 12 मई को जिलाधिकारी करेंगे कई ऐतिहासिक पहल की शुरुआत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत/ पीलीभीत। जिले में बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा को नई पहचान देने के लिए 12 मई को एक भव्य और प्रेरणादायी आयोजन होने जा रहा है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रातः 9 बजे गांधी प्रेक्षागृह (गांधी स्टेडियम) में जिलाधिकारी की पाठशाला कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें बालिकाओं को शिक्षा, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का संदेश दिया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी ने बताया कि कार्यक्रम के उपरांत गांधी स्टेडियम गेट पर स्थापित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ स्टैच्यू का भव्य अनावरण किया जाएगा। इसके साथ ही जिलेभर में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ लोगोयुक्त बेंचों की स्थापना के लिए प्रचार वाहन को जिलाधिकारी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यहीं नहीं, विकास भवन में तैयार किए गए विशेष बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ गलियारे का उद्घाटन भी किया जाएगा, जो समाज को बेटियों के प्रति सम्मान और समान अवसर का संदेश देगा। प्रशासन का मानना है कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और महिला सशक्तिकरण की दिशा में जिले की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगा।

मां के सम्मान में सजा उत्सव का मंच, श्री विष्णु इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मना मदर्स डे

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । फरीदपुर रोड स्थित श्री विष्णु इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को मदर्स डे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंध समिति, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस खास मौके पर प्री-नर्सरी से अपर केजी तक के विद्यार्थियों की लगभग 80 माताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को भावुक और यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने मां के सम्मान में सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां दीं और मधुर गीत गाकर सभी का दिल जीत लिया। वहीं कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों ने आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

मदर्स डे सेलिब्रेशन को और भी खास बनाने के लिए स्कूल द्वारा माताओं के लिए कई मनोरंजक गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें सभी माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेता माताओं को स्कूल प्रशासन की ओर से आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल के प्रबंधक प्रेम शंकर अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की क्रिएटिविटी और प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वहीं सेक्रेटरी सुधीर अग्रवाल ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रिंसिपल इं. धीरज अग्रवाल ने सभी अतिथियों और माताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि स्कूल को ष्टक्न्श्व से हाईस्कूल तक की मान्यता प्राप्त है।

कार्यक्रम का संचालन कक्षा 4 की क्लास टीचर वनहर जवि ने किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रीति यादव, अनुरक्ति, पूजा, संध्या, अनम, नीरज कुमारी, ज्योति, इरम, रानी, मनु, पीयूष, शिवम सहित समस्त शिक्षकों का सहयोग सराहनीय रहा।

12 मई की रात से बंद हो जाएगा चौपुला पुल, 45 दिनों तक बाधित रहेगा आवागमन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। चौपुला पुल से वाहनों का आवागमन 12 मई की रात से 45 दिनों के लिए बंद कर दिया जाएगा। इस दौरान पुल की मरम्मत कराई जाएगी। लोगों को आवागमन का विकल्प मुहैया कराने के लिए यातायात पुलिस की ओर से 10 मई को रूट चार्ट जारी किया जाएगा। एनएचएआई की ओर से पुल की मरम्मत के लिए दो माह से समय मांगा जा रहा था।

सिटी स्टेशन रोड की मरम्मत के चलते इसकी अनुमति नहीं दी जा रही थी। सिटी स्टेशन रोड खोले जाने के बाद अब यातायात पुलिस ने एनएचएआई को काम कराने की सहमति दे दी है। डेढ़ दशक पहले बना पुल मरम्मत के अभाव में जर्जर हो गया है। इसके 30 एक्सपेंशन ज्वॉइंट की मरम्मत कराई जानी है। इनके बीच चार-पांच इंच तक का गैप होने से पुल से गुजरने वाले वाहनों को तेज झटका लगता है। 800 मीटर लंबे पुल की मरम्मत के लिए एनएचएआई बदायूं डिवीजन को शासन से 1.30 करोड़ रुपये मिले हैं। माहभर पहले पुल के ऊपरी हिस्से की मरम्मत करा दी गई थी। अब ज्वॉइंट की मरम्मत कराई जाएगी। कार्यदायी संस्था का दावा है कि 13 मई को मरम्मत कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

45 दिन तक बंद रहेगा पुल

एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खां ने बताया कि चौपुला पुल की मरम्मत के लिए 12 मई की रात से आवागमन बंद कर दिया जाएगा। यह अगले 45 दिन तक बंद रहेगा। इसके लिए अलग से रूट चार्ट जारी किया जाएगा। एनएचएआई बदायूं डिवीजन के परियोजना निदेशक उत्कर्ष शुक्ला ने बताया कि चौपुला पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी गई है। 13 मई से ही काम शुरू करा दिवा जाएगा। 45 दिन में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

मीडिया जगत ने बढ़ाया कदम, स्व-गणना अभियान में पत्रकारों ने निभाई सक्रिय भूमिकाण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। जनगणना-2027 के तहत चल रहे स्व-गणना अभियान के तीसरे दिन मीडिया जगत ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिला सूचना अधिकारी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न समाचार पत्रों, न्यूज चैनलों और डिजिटल मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों ने स्व-गणना पोर्टल पर अपनी सूचनाएं दर्ज कर अभियान को मजबूती प्रदान की।

कार्यक्रम में पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा मीडिया कर्मियों को स्व-गणना पोर्टल के संचालन, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला सूचना अधिकारी मुशाहिद अली ने कहा कि मीडिया समाज का दर्पण है और जब पत्रकार जैसे जागरूक वर्ग इस अभियान से जुड़ते हैं तो आमजन में भी विश्वास और जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने सभी मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे सफल जनभागीदारी का उदाहरण बताया।

पत्रकारों ने भी स्व-गणना अभियान की सराहना करते हुए इसे डिजिटल भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रगतिशील पहल बताया।

बहेड़ी बॉर्डर पर डीएम ने किया निरीक्षण, चेकपोस्ट व्यवस्थाओं का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शनिवार को बहेड़ी स्थित अंतर्राज्यीय पुलिस चेकपोस्ट और उत्तराखण्ड बॉर्डर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बॉर्डर क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि चेकपोस्ट पर तैनात कर्मियों के बैठने और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था नहीं है। इस पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चेकपोस्ट का बेहतर निर्माण कराया जाए, जिसमें कर्मियों के बैठने की उचित व्यवस्था, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। जिलाधिकारी ने इसके लिए धनराशि उपलब्ध कराने की भी बात कही। डीएम ने संबंधित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि बॉर्डर क्षेत्र में वाहनों की नियमित और सघन चेकिंग सुनिश्चित की जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए। साथ ही कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए । इस दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी बहेड़ी इशिता किशोर, तहसीलदार बहेड़ी समेत संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बरेली से नोएडा की उड़ान एक जुलाई से, सप्ताह में चार दिन होगी फ्लाइट, शेड्यूल जारी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। नोएडा के जेवर एयरपोर्ट के लिए उड़ान एक जुलाई से शुरू होगी। इंडिगो एयरलाइंस ने बृहस्पतिवार को इसका शेड्यूल जारी कर दिया है। सप्ताह में चार दिन नोएडा से उड़ान भरकर फ्लाइट सुबह 11=20 बजे विमान बरेली एयरपोर्ट पर उतरेगा। यहां से दोपहर एक बजे वापसी होगी। जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद से ही बरेली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने नोएडा और दिल्ली के लिए फ्लाइट संचालन की तैयारी शुरू कर दी थी। इंडिगो एयरलाइंस ने सर्वे भी किया था और प्रस्ताव बनाकर डीजीसीए को भेजा था। फिलहाल नोएडा के लिए फ्लाइट संचालन की अनुमति मिली है। इंडिगो का 78 सीटर एटीआर-72 उड़ान भरेगा। सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को फ्लाइट का संचालन होगा। अभी बरेली से बंगलूरू और नवी मुंबई के लिए इंडिगो की फ्लाइट संचालित होती है। बरेली समेत आसपास के कारोबारी भी काफी समय से दिल्ली की फ्लाइट की मांग कर रहे थे। नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनकर तैयार होने के बाद से ही उड़ान शुरू होने की उम्मीद थी। बृहस्पतिवार को बरेली से नोएडा की उड़ान का शेड्यूल जारी कर दिया गया।

अब दिल्ली भी दूर नहीं एयरलाइंस प्रतिनिधि के मुताबिक, अब दिल्ली भी दूर नहीं रहेगी। नोएडा से मेट्रो के जरिये नई दिल्ली पहुंचना आसान है।

टैक्सी सेवाएं भी हैं। कहा कि बरेली से बड़ी संख्या में कारोबारियों, व्यापारियों की नोएडा, दिल्ली आवाजाही होती है। फ्लाइट से यात्रा बेहतर होगी। सर्वे में 70 फीसदी से एयर ट्रैफिक का अनुमान जताया गया है।

बरेली की राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते से बरसी राहत, 245366 मामलों का रिकॉर्ड तोड़ हुआ निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में बरेली ने बड़ा रिकॉर्ड कायम किया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह-द्वितीय ने दीप प्रज्वलित कर लोक अदालत का शुभारम्भ किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों, बैंकों, बीमा कंपनियों, अधिवक्ताओं और प्रशासनिक विभागों ने मिलकर लंबित मामलों का तेजी से निस्तारण किया। नोडल अधिकारी अपर जनपद न्यायाधीश उमा शंकर कहार ने बताया कि कुल 2 लाख 45 हजार 366 मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर सफल निस्तारण किया गया तथा 18 करोड़ 14 लाख 32 हजार 199 रुपये की धनराशि के आदेश पारित हुए। परिवारों में लौटी खुशियां, 99 जोड़ों में हुआ समझौता लोक अदालत में पारिवारिक विवादों को भी सुलझाया गया। पारिवारिक न्यायालयों में 99 दंपत्तियों के बीच समझौता कराया गया। प्रधान न्यायाधीश मोहम्मद अशरफ अंसारी ने 45 तथा अपर प्रधान न्यायाधीश संजय कुमार सिंह ने 54 मामलों का निस्तारण कराया।

ई-चालानों से लेकर बैंक ऋण तक, हर विभाग ने दिखाई तेजी लोक अदालत में पुलिस विभाग द्वारा 59 हजार 572 मामलों का निस्तारण किया गया, जिनमें 22 हजार 463 ई-चालान शामिल रहे। वहीं कुल 1 लाख 8 हजार 309 ई-चालानों का निस्तारण किया गया। बैंक ऋण मामलों के लिए 25 विशेष पीठों का गठन किया गया, जहां 893 मामलों का निस्तारण कर करीब 11 करोड़ 59 लाख 41 हजार रुपये की वसूली कराई गई। लोक अदालत परिसर में केंद्रीय कारागार के बंदियों द्वारा तैयार हस्तशिल्प वस्तुओं और औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों, एक जनपद एक उत्पाद और एक जनपद एक पकवान स्टॉल ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आम जनता की सुविधा के लिए लोक अदालत परिसर में हेल्प डेस्क बनाई गई, जहां पैरा लीगल वालंटियर और लीगल एड डिफेंस काउंसिल लोगों की सहायता करते नजर आए। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में न्यायिक अधिकारियों, बैंक एवं बीमा कंपनियों, प्रशासनिक विभागों, मीडिया कर्मियों और स्वयंसेवकों का अहम योगदान रहा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गांधी स्टेडियम में लगा स्व-गणना कैंप, खिलाड़ियों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर कराया पंजीकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत/ । जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रहे स्व-गणना अभियान को लेकर शनिवार को गांधी स्टेडियम खेल कार्यालय में विशेष कैंप आयोजित किया गया। कैंप में खिलाड़ियों, युवाओं और आमजन को स्व-गणना के प्रति जागरूक करते हुए पोर्टल पर उनकी सूचनाएं दर्ज कराई गईं। कार्यक्रम में जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मेराज हुसैन, एआर कोऑपरेटिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, नेहरू युवा केंद्र के कल्याण अधिकारी तथा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने समन्वय स्थापित कर लोगों को लैपटॉप के माध्यम से स्व-गणना की प्रक्रिया समझाई। गांधी स्टेडियम में लगाए गए टेबलों पर लोग लगातार पहुंचते रहे और अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराते रहे। अधिकारियों ने बताया कि स्व-गणना अभियान का उद्देश्य आमजन को डिजिटल माध्यम से जनगणना प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें जागरूक बनाना है। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह के निर्देश पर सभी विभागों को अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से स्वयं स्व-गणना कराने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। इस दौरान मास्टर ट्रेनर आशुतोष, जिला ट्रेनर विशाल, खेल कार्यालय के महेश तिवारी, अमिताभ अग्निहोत्री सहित अन्य कर्मचारियों ने खिलाड़ियों और उपस्थित लोगों को जनगणना के महत्व एवं स्व-गणना प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी।

सुबह 5 बजे से बरेली में चला लाउडस्पीकर चेकिंग अभियान, 6 उतारे गए, 116 की आवाज कराई गई कम

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन में शनिवार को चलाए जा रहे विशेष लाउडस्पीकर चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सुबह 5 बजे से 7 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों की सघन जांच की गई।

अभियान के दौरान इज्जतनगर, बारादरी और शेरगढ़ थाना क्षेत्रों में कुल 42 स्थानों पर निरीक्षण किया गया, जहां नियमों का उल्लंघन मिलने पर 6 लाउडस्पीकर उतरवाए गए। वहीं पूरे जनपद में 460 स्थानों पर चेकिंग के दौरान 116 लाउडस्पीकरों की आवाज शासन द्वारा तय मानकों के अनुरूप कराई गई।

पुलिस ने अभियान के दौरान लोगों को ध्वनि प्रदूषण नियमों के प्रति जागरूक करते हुए भविष्य में मानकों का पालन करने की हिदायत दी।

सेटेलाइट बस अड्डे पर घूमता मिला विधायक का लापता भतीजा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मीरगंज से भाजपा विधायक डॉ. डीसी वर्मा का भतीजा फार्मा छात्र अंकित वर्मा सकुशल मिल गया है। वह भोजीपुरा स्थित मेडिकल कॉलेज से लापता हो गया था।

अंकित बृहस्पतिवार शाम सात बजे मंदिर जाने की बात कहकर निकला और देर रात तक हॉस्टल नहीं लौटा। कॉलेज प्रशासन और परिजनों की सूचना के बाद पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश में जुट गई।

शनिवार सुबह अंकित सेटेलाइट बस स्टैंड के पास मिला। परिवार के लोग स्टेशन, बस स्टैंड आदि स्थानों पर उसकी तलाश कर रहे थे। इन्हीं में से किसी ने उसे देख लिया। विधायक ने बताया कि अंकित को उन्होंने फिलहाल गांव भेज दिया है, जहां उसके माता-पिता रहते हैं। अंकित ने बताया कि वह हरिद्वार चला गया था। लेकिन वहां जाने की वजह अभी स्पष्ट नहीं बता रहा है।

बरेली बना नंबर-1 परिवहन आयुक्त के दौरे में अफसरों की पीठ थपथपाई

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / मॉडिफाइड साइलेंसर वालों पर सख्त एक्शन के दिए निर्देश बरेली। उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त ने शनिवार को बरेली का दौरा कर परिवहन विभाग की व्यवस्थाओं और प्रवर्तन कार्यों का गहन निरीक्षण किया। इस सारथी हॉल और कार्यालय भवन का जायजा लिया प्रतिशत पूरा पाया गया। परिवहन आयुक्त ने कार्यदायी गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्माण पूरा करने के निर्देश स्थित PHOENIX AUTOMOBILES PRIVATE LIMITED का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की समीक्षा की। फिर बरेली परिक्षेत्र सम्भागीय परिवहन अधिकारियों के साथ समीक्षा एक बड़ी उपलब्धि भी सामने आई। वित्तीय वर्ष प्राप्ति के मामले में बरेली परिक्षेत्र पूरे उत्तर प्रदेश में परिवहन आयुक्त ने अधिकारियों की सराहना करते प्रदर्शन जारी रखने के निर्देश दिए। परिवहन आयुक्त खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। कार्रवाई करते हुए जरूरत पड़ने पर वाहनों की सड़क दुर्घटनाओं में जिम्मेदार वाहन चालकों के निरस्तीकरण की कार्रवाई भी शत-प्रतिशत सुनिश्चित परिवहन आयुक्त कमल प्रसाद गुप्ता, सम्भागीय

दौरान परसाखेड़ा स्थित निर्माणाधीन गया, जहां निर्माण कार्य लगभग 90 संस्था को 31 मई 2026 तक दिए। परिवहन आयुक्त ने बिथरी चैनपुर TESTING BAREILLY वहां संचालित व्यवस्थाओं और के सभी सम्भागीय और सहायक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान 2026-27 के अप्रैल माह में राजस्व प्रथम स्थान पर रहा। इस उपलब्धि पर हुए आगामी महीनों में भी इसी तरह ने मॉडिफाइड साइलेंसर वाले वाहनों के उन्होंने कहा कि ऐसे वाहनों के खिलाफ आरसी तक निलंबित की जाए। साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन और करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उप परिवहन अधिकारी पंकज सिंह, प्रवर्तन अधिकारी प्रणव झा, एआरटीओ प्रशासन डॉ. प्रवेश कुमार सरोज, एआरटीओ प्रवर्तन वैभव सोती समेत बरेली और मुरादाबाद मंडल के अधिकारी मौजूद रहे।

बबदायूं की ओर जाएं तो चलना संभलकर : बिनावर तक कई जगह खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। गंगा एक्सप्रेस वे शुरू होने के बाद भी मथुरा रोड की अड़चनें प्रयागराज और मेरठ को बरेली के करीब नही आने दे रहीं। बरेली-बदायूं मार्ग के चौड़ीकरण में जगह डाइवर्जन और के गुबार सुबह जाम का कारण हालात इतने जितना समय के जरिए लखनऊ का में लग रहे हैं,

देरी, जगह-खतरनाक रास्ते पर धूल से रात तक बन रहे हैं। बुरे कि एक्सप्रेस वे दिल्ली-सफर करने उससे ज्यादा टाइम बिनावर तक पहुंचने में खर्च हो रहा है। एनएचएआई यात्रियों की सुविधा के लिए खेद तो जता रहा है मगर निर्माण एजेंसी की ढिलाई पर ब्रेक नहीं लगा पा रहा। प्रयागराज-और मेरठ को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे ने बरेली-पीलीभीत को सुपर स्पीड सफर के हसीन सपने तो दिखाए हैं मगर बदायूं रोड चौड़ीकरण योजना की दुश्वारियों ने उम्मीदों पर ग्रहण लगाने का काम किया है। बेतरतीब डायवर्जन से लगने वाले जाम और धूल में दबी सड़क सबको संकट में डाल रही है। बरेली से दिल्ली या लखनऊ जाने के लिए वाहन सवार एक्सप्रेस-वे का रुख तो कर रहे हैं, पर बिनावर कट तक पहुंचने में ही सबका पसीना छूट रहा है। अमृत विचार की टीम ने शुक्रवार को बरेली से बिनावर तक पड़ताल की तो जगह-जगह खतरनाक स्थिति कैमरे में कैद हुई। हकीकत ये है कि रास्ते भर जगह-जगह डाइवर्जन के चलते वाहन जितने कम समय एक्सप्रेस-वे पर फर्राटा भरकर बिनावर से मेरठ पहुंच रहे हैं, कई बार उतना समय तो जाम में फंसकर बिनावर से बरेली तक पहुंचने में ही लग जा रहा है।

अमरोहा में मैकेनिक को मार डाला: दुकान में सोते समय रस्सी से घोंट दिया था गला, बरात के शोर में दब गईं चीखें

अमरोहा के दढ़ियाल में मैकेनिक अवनेश (18) की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने गांव के ही कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थानाक्षेत्र के गांव पर सो रहे मैकेनिक रस्सी से गला गई। परिजनों ने के ही लोगों पर लगाया जमकर पर पहुंची पुलिस ने समझाकर शांत सगे भाइयों समेत खिलाफ प्राथमिकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में घोंटकर हत्या की

है। आदमपुर दढ़ियाल में दुकान अवनेश (18) की घोंटकर हत्या कर दी पुरानी रंजिश में गांव हत्या का आरोप हंगामा किया। मौके गुस्साए परिजनों को किया।मामले में चार छह लोगों के दर्ज की गई है। वहीं भी रस्सी से गला पुष्टि हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।अवनेश गांव निवासी किसान सियाराम सिंह का बेटा था। अवनेश गांव में ही बाइक रिपेयरिंग की दुकान चलाता था। परिजनों के मुताबिक अवनेश अक्सर रात में अपनी दुकान पर ही सो जाता था। बृहस्पतिवार रात भी दुकान पर सो रहा था। शुक्रवार सुबह उसका शव दुकान में चारपाई पर पड़ा मिला। गले पर खरोंच और दबाव के निशान मिलने पर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर पुरानी रंजिश के चलते हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। एसपी लखन सिंह के निर्देश पर फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। मृतक अवनेश छह भाइयों और एक बहन में चौथे नंबर का था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। देर शाम पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। मृतक के पिता सियाराम सिंह की तहरीर पर गांव निवासी विकास, कुलवंत, होशियार, जगवीर, उनके पिता झंडू और मां शांति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी रस्सी से गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई है।- लखन सिंह यादव, एसपी अमरोहा घटना के बाद गांव में तनाव - शुक्रवार की सुबह को युवक की हत्या की खबर फैलते ही दढियाल गांव में सन्नाटा पसर गया है। हालांकि बृहस्पतिवार की रात को गांव में दूसरे मोहल्ले में एक बरात आई थी। बरात चढ़त के दौरान देररात तक शोर शराबा रहा था, लेकिन सुबह होते ही शोर पूरे गांव में सन्नाटे के रूप में बदल गया। एक तरफ पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं दूसरी ओर आरोपी पक्ष के घर से सदस्य भाग गए हैं। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। थाना प्रभारी कोमल तोमर ने साफ किया है कि साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

राशन और बेटियों की शादी के नाम पर बड़ा खेल! गरीब महिलाओं से लाखों की ठगी का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । गरीब महिलाओं को हर महीने राशन, बेटियों की शादी में 51 हजार रुपये सहायता और दान-दहेज दिलाने का सपना दिखाकर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि खुद को लखनऊ निवासी बताने वाले एक दंपती ने सनातन धर्म सेवा ट्रस्ट का अध्यक्ष बताकर गांव-गांव महिलाओं को अपने झांसे में लिया। महिलाओं से कहा गया कि ट्रस्ट गरीब परिवारों को सस्ता राशन और बेटियों की शादी में आर्थिक मदद देता है। आरोप है कि सदस्य बनाने के नाम पर हर महिला से 800 रुपये जमा कराए गए और बदले में एक कार्ड दिया गया। इतना ही नहीं, महिलाओं को लालच दिया गया कि जो सबसे पहले 6 सदस्य जोड़ देगी उसे ट्रस्ट की सभी सुविधाएं मिलेंगी, जबकि 600 सदस्य जोड़ने पर स्कूटी और हर महीने 5 हजार रुपये मानदेय मिलेगा। महिलाओं को धूपबत्ती और अगरबत्ती पैकिंग का काम सिखाने का झांसा भी दिया गया। लेकिन जब न राशन मिला और न ही कोई सहायता, तब महिलाओं को ठगी का एहसास हुआ। शुक्रवार को गांव सेंधा निवासी विमला देवी, संतोष देवी, मुन्नी देवी समेत कई महिलाओं ने थाने पहुंचकर तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अब पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

गोशाला में मौत का तांडव! नवाबगंज की गोशाला में 54 गोवंशों की मौत, कागजों में छिपाए गए आंकड़े

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । नवाबगंज स्थित वृहद गोवंश संरक्षण केंद्र मधुनगला से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां गोवंशों की सुरक्षा और देखरेख की पोल खुल गई है। जिला स्तरीय जांच में खुलासा हुआ कि अगस्त 2025 से अप्रैल 2026 के बीच भूख और कुपोषण के चलते 54 गोवंशों की मौत हो गई, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में सिर्फ 5 मौतें दर्ज की गईं। जांच में

सामने आया कि पशु चिकित्साधिकारी द्वारा 54 मौतों के प्रमाण पत्र जारी किए गए थे, लेकिन लॉग बुक पंजिका में आंकड़ों को दबा दिया गया। यह बड़ा खुलासा जिला विकास अधिकारी दिनेश यादव और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनमोहन पांडेय की संयुक्त जांच में हुआ, जिसके बाद विभागों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गोशाला में चारे और भूसे का भारी संकट है। हालत इतनी खराब है कि 30 से 40 गोवंश कुपोषण के चलते कंकाल जैसे दिखाई दे रहे हैं। पिछले साल अगस्त में गोशाला के बाहर 17 गोवंशों के शव मिलने के बाद से यह केंद्र जांच के घेरे में था। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में 9, दिसंबर में 10 और अकेले अप्रैल 2026 में 16 गोवंशों की मौत हुई। जब अधिकारियों ने रिकॉर्ड में गड़बड़ी को लेकर ग्राम प्रधान, डॉक्टर और केयरटेकर से सवाल किए तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। डीडीओ दिनेश यादव ने बताया कि पूरी रिपोर्ट सीडीओ को भेज दी गई है। वित्तीय अनियमितता और गोवंश संरक्षण में लापरवाही के आरोप में ग्राम प्रधान को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। वहीं बीडीओ, एडीओ पंचायत, पशु चिकित्सा अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गांधी स्टेडियम में लगा स्व-गणना कैंप, खिलाड़ियों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर कराया पंजीकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रहे स्व-गणना अभियान को लेकर शनिवार को गांधी स्टेडियम खेल कार्यालय में विशेष कैंप आयोजित किया गया। कैंप में खिलाड़ियों, युवाओं और आमजन को स्व-गणना के प्रति जागरूक करते हुए पोर्टल पर उनकी सूचनाएं दर्ज कराई गईं।

कार्यक्रम में जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मेराज हुसैन, एआर कोऑपरेटिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, नेहरू युवा केंद्र के कल्याण अधिकारी तथा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने समन्वय स्थापित कर लोगों को लैपटॉप के माध्यम से स्व-गणना की प्रक्रिया समझाई।

गांधी स्टेडियम में लगाए गए टेबलों पर लोग लगातार पहुंचते रहे और अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराते रहे। अधिकारियों ने बताया कि स्व-गणना अभियान का उद्देश्य आमजन को डिजिटल माध्यम से जनगणना प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें जागरूक बनाना है।

जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह के निर्देश पर सभी विभागों को अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से स्वयं स्व-गणना कराने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

इस दौरान मास्टर ट्रेनर आशुतोष, जिला ट्रेनर विशाल, खेल कार्यालय के महेश तिवारी, अमिताभ अग्निहोत्री सहित अन्य कर्मचारियों ने खिलाड़ियों और उपस्थित लोगों को जनगणना के महत्व एवं स्व-गणना प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी।

एसबीआई कर्मियों ने मांगों के समर्थन में किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन के आह्वान पर लंबित मांगों के समर्थन में एसबीआई के कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन के उप महामंत्री नवींद्र कुमार ने कहा कि लंबे समय से कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों पर बैंक प्रबंधन एवं केंद्र सरकार द्वारा कोई गंभीर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि 11 मई को फिर से पदर्शन किया जाएगा। यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 25 और 26 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करेंगे। प्रदर्शन में सुनील कुमार मित्तल,पूजा कौशल, भूपेंद्र कुमार, विकास कुमार, मनोज कुमार, मारूफ अली, अजय वीर, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड: पुलिस को चकमा दे हत्यारोपी पिता-पुत्र ने किया सरेंडर, घर के बाहर सरेआम मारी थी गोली

बिलारी में प्रॉपर्टी डीलर रंजीत चौहान की हत्या करने वाले आरोपी पिता-पुत्र ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उनकी तलाश में पुलिस की पांच टीमें लगी थी। अब पुलिस दोनों को रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।बिलारी के कमालपुर चंदौरा गांव में प्रॉपर्टी डीलर रंजीत चौहान की हत्या करने वाले आरोपी अजय और उसके पिता योगेंद्र ने शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया जबकि पुलिस की पांच टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। अब पुलिस दोनों को रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।सोमवार की रात करीब साढ़े आठ बजे प्रॉपर्टी डीलर रंजीत चौहान अपने गांव कमालपुर चंदौरा में स्कूल के पास टहल रहे थे। इसी दौरान उन पर हमला कर दिया था। वह अपनी जान बचाने को मुनेश पाल के घर में घुस गए थे। इसी दौरान वहां हमलावर भी पहुंच गए और उन्हें दो गोलियां मारी गई थीं और सिर पर फरसे हमला कर दिया था।इसके बाद हमलावर भाग गए थे। परिजन घायल अवस्था में रंजीत को अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। प्रापर्टी डीलर के भाई पिंकू चौहान ने गांव निवासी अजय और उसके पिता योगेंद्र और अजय के दो रिश्तेदारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पिंकू ने बताया कि उसके भाई रंजीत और अजय की बहन के बीच प्रेम संबंध थे। इसी बात से अजय और उसके पिता रंजिश रखते थे। इसी रंजिश में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। एसएसपी ने पांच टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी को लगाई थी पुलिस आरोपियों के ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है लेकिन शुक्रवार को अजय और उसका पिता योगेंद्र ने अपने अधिवक्ता के जरिए कोर्ट में सरेंडर प्रार्थना पत्र दाखिल किया। इसके बाद पिता- पुत्र ने सरेंडर कर दिया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि दो आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। इस मामले में उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

आरपीएफ और सीआईबी की बड़ी कार्रवाई, अवैध ई-टिकट कारोबार का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/फर्रुखाबाद में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कासगंज सीआईबी की संयुक्त टीम ने रेलवे के आरक्षित ई-टिकटों के अवैध कारोबार का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 20 हजार रुपये मूल्य के 10 ई-टिकट बरामद किए गए हैं। आरपीएफ थाने के निरीक्षक ओपी मीणा और सीआईबी कासगंज के सुभाष चंद्र के नेतृत्व में टीम ने शुक्रवार शाम करीब साढ़े चार बजे कमालगंज के नगला दाउद स्थित मोहम्मद समी के घर छापा मारा। तलाशी के दौरान उसके मोबाइल फोन से आरक्षित ई-टिकट बरामद हुए। 20 हजार रुपये से अधिक

के टिकट मिले- जांच में आरोपी के पास से 20,020 रुपये 75 पैसे मूल्य के कुल 10 ई-टिकट मिले। इनमें 17,753 रुपये 90 पैसे मूल्य के सात टिकटों की यात्रा पूरी हो चुकी थी, जबकि 2,266 रुपये 75 पैसे मूल्य के तीन टिकटों पर यात्रा शेष थी। आईआरसीटीसी आईडी से बनाता था टिकट- आरपीएफ इंस्पेक्टर ओपी मीणा ने बताया कि आरोपी मोहम्मद समी आईआरसीटीसी की व्यक्तिगत यूजर आईडी का इस्तेमाल कर ग्राहकों की मांग के अनुसार तत्काल, प्रीमियम तत्काल और सामान्य श्रेणी के रेल आरक्षित ई-टिकट बनाता था। 100 से 200 रुपये अतिरिक्त लेकर बेचता था टिकट पुलिस के अनुसार आरोपी टिकट बनाने के बदले ग्राहकों से 100 से 200 रुपये अतिरिक्त वसूलता था। अवैध कारोबार में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया है। आरपीएफ ने आरोपी मोहम्मद समी के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

देख रहा दुनिया का मेला नाच रहा इंसान अकेला- मुन्नालाल

क्यूँ न लिखूँ सच / कोंच(जालौन) नगर की सबसे बड़ी साहित्यिक संस्था बागीश्वरी साहित्य परिषद कोंच के तत्वाधान में एक मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन स्थानीय प्रताप नगर स्थित अति प्राचीन सिद्ध श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह मौजूद रहे जब की इस काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता बागीश्वरी साहित्य परिषद कोंच के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता ठेकेदार ने की इस काव्य गोष्ठी में मनोहर निरंजन किशुन पुरा ने काव्य पाठ किया उन्होंने कहा - चर्चित चेहरा है चमकीला चाले चुनरी क्षण में चांद ले चमक रही चांदनी । मुन्ना यादव विजय ने कहा - यायावरी पसंद आई फिर चलने से क्या डरना मरना कंद चढ़ी का उत्सव है फिर मरने से क्या डरना है। वैदेही शरण लोहकार जोगी ने कहा -सृजन को नारी के समूचा विश्व आता है करे मान हों जो नारी का वहीं अपवर्ग पाता है । आशाराम मिश्रा ने कहा-दस रुपए की झाल मुंडी में जीत लिया बंगाल लाते पढ़ना शुरू

हो गई नहीं गलेगी दाल। जुगेंद्र सिंह फौजी ने कहा-भुलाने से सच्चा प्यार मजबूत परिवार और आदमी ईमानदार झुकता नहीं है पैसा पास पापी का दूध में पानी का और बेइमानी का सकता नहीं। अजय कुमार भारती ने कहा -हमने हंसकर सीखे है न रोकर सीखे है जो कुछ भी सीखे है। संतोष तिवारी ने कहा -घर के लोगों ने घर में बतलाना छोड़ दिया आपसे मामले घर में निपटाना छोड़ दिया । चित्तर सिंह निरंजन ने कहा -कोई समझाता नहीं यह महफिल बुनियाद क्या है खेलता कौन है सिखाता कौन है । हास्य कवि ओंकार नाथ पाठक ने कहा सुबह सुबह मोहल्ले की एक लड़ाकू महिला घर के बाहर जीभ पर जीवी कर रही थी तभी वहां एक दस बारह साल की एक लड़की वहां गुजर रही थी महिला को देखकर बोली भाभी जी सुबह सुबह क्या कर रही हो क्या अपनी तलवार पर धार पर रही हो। नंदराम स्वर्णकार भावुक ने कहा -जितने भी काम है सभी को बो काम कीजिए मन में सदैव राम का नाम लीजिए। शिक्षक संजय सिंघाल शिक्षक रुचिर नायक मुन्ना लाल अग्रवाल लोहे वाले आदि ने भी अपने अपने काव्य पाठ सुनाए इस अवसर पर कृष्ण कुमार बिलैया कन्हैया गोस्वामी अखलेश कुमार प्रदीप रेजा रंजीत कुमार राजू रेजा संतोष टेलर विजय कुमार अग्रवाल कमलेश पटेल हरिमोहन परी मिश्रा लक्ष्मी नारायण पुजारी सहित कई लोग मौजूद रहे

थाना समाधान दिवस में फरियादियों को मिली त्वरित राहत, डीएम-एसपी ने मौके पर कराया शिकायतों का निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित थाना समाधान दिवस के तहत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने एट कोतवाली सभागार में दूर-दराज से पहुंचे फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान प्रत्येक प्रकरण की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस के दौरान कुल दो शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें एक आवास से संबंधित तथा दूसरी पारिवारिक विवाद की शिकायत शामिल रही। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही प्रभावी कार्रवाई कर दोनों शिकायतों का निस्तारण करा दिया, जिससे फरियादियों ने राहत महसूस की। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी एवं लेखपाल को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न होने पाए। जहां कहीं भी अवैध कब्जे की स्थिति मिले, वहां तत्काल नोटिस जारी करते हुए पीपी एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि खाली पड़ी सरकारी भूमि का सदुपयोग करते हुए वहां गौशालाओं के लिए हरे चारे की बुवाई कराई जाए, जिससे निराश्रित गोवंश के लिए चारे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन को त्वरित न्याय एवं राहत उपलब्ध कराना है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय के साथ शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें।

कलश यात्रा के साथ श्री शनि देव शक्ति धाम पर नवग्रह शांति यज्ञ शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ केशव शास्त्री ने नवग्रह की उत्पत्ति से लेकर, ग्रह के लक्षण बताएं गंजबासौदा श्री शनि देव शक्ति धाम बर्रीघाट रोड पर नवग्रह शांति यज्ञ नवग्रह प्रवचन का शुभारंभ शनिवार को कलश यात्रा के साथ हुआ कलश यात्रा श्रीकालसेन भैरव बाबा मंदिर गांधी चौक से प्रात 8बजे प्रारंभ होकर हुई जो श्री शनि देव शक्ति धाम पर पहुंची रास्ते में जगह जगह धर्म प्रेमी महानुभावों ने कलशयात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा के बाद नवग्रह प्रवचन प्रारंभ हुए।प्रवचन करते हुए केशव प्रसाद शास्त्री ने नवग्रह की उत्पत्ति और नवग्रह के विषय

में विस्तार से बताया एंव प्रत्येक ग्रह के लक्षण बताए उन्होंने ग्रह की पीड़ा से कैसे शांति प्राप्त होती है उस पर प्रकाश भी डाला । श्री शनि देव शक्ति धाम के संस्थापक दीपक तिवारी ने बताया

कि नवग्रह यज्ञ 9 मेई से 16 मई तक आयोजित हो रहा है।प्रतिदिन प्रत्येक ग्रह के विषय में उसके महत्व को बताया जाएगा, ग्रह नवग्रह शांति करने के लिए आने वाले यजमान के लिए ग्रहों की शांति के लिए अलग-अलग हवन पूजन सामग्री श्री शनि देव शक्ति धाम द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।कल की पूजा सिंह राशि वालों की होगी भगवान सूर्य देव राशि स्वामी है जिसमें अकौआ का विशेष महत्व है कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील करने वाले पंडित केशव प्रसाद शास्त्री , शनि देव शक्ति धाम के संस्थापक दीपक तिवारी, दिनेश दंडोतिया,गोपाल प्रसाद शर्मा, भारत पाठक, विजय अरोरा, शिव प्रसाद श्रीवास्तव, नित्य प्रकाश शर्मा , पंडित गौरव शर्मा पंडित कुलदीप शास्त्री दिनेश शास्त्री देवेंद्र शास्त्री ओ पी श्रीवास्तव ,घनश्याम चौरसिया, मुकेश निगम, संजीव सोनी, लक्ष्मी नारायण सेन, अट्टू ,सोनी छगनलाल, मुन्ना कुशवाहा,अनुज शर्मा, राकेश रघुवंशी द्य यादव केशव यादव ,उमेश रोमन, ऋषि, हर्षित रोहन, आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नटेरन चना-मसूर खरीदी केंद्र पर अव्यवस्था, हो रही किसानों की फजीहत

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन। क्षेत्र के चना-मसूर खरीदी केंद्र पर इन दिनों भारी अव्यवस्था देखने को मिल रही है, जिसके चलते किसानों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि वे पिछले कई दिनों से तुलाई के लिए केंद्र पर चक्कर काट रहे हैं, लेकिन व्यवस्था इतनी लचर है कि चार-चार दिन लाइन में लगने के बाद भी उनकी उपज की तुलाई नहीं हो पा रही। किसानों के अनुसार, स्लॉट बुकिंग की तारीखें भी दो-दो बार निकल चुकी हैं, फिर भी उनकी फसल नहीं तौली गई। इससे किसानों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि एक ओर सरकार समय पर खरीदी का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमराई हुई हैं। किसानों ने बताया कि

कई लोग अपनी उपज लेकर केंद्र पर ही रुके हुए हैं, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समय पर तुलाई न होने के कारण फसल खराब होने का डर भी बना हुआ है। स्थानीय किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खरीदी केंद्र पर व्यवस्थाओं को तुरंत दुरुस्त किया जाए, अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की जाए और तुलाई की प्रक्रिया को तेज किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके। अब देखना यह होगा कि प्रशासन किसानों की इस समस्या को कितनी जल्दी संज्ञान में लेकर समाधान करता है।नटेरन के कृषक निरंजन सिंह संतोष पटेल ने बताया लाइन में लगे लगे हो तारीख निकल गई एवं ग्राम मूडरा के चंदशेखर लोधी लेखराम लोधी ने बताया कि शनिवार को केन्द्र पर आए थे मंगलवार को तूलाई हो पाई हे जब तक स्लॉट की 28 अप्रैल तक की थी पर्ची नहीं बन पाई हे अब क्या होगा।जब किसानों ने जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी को इस समस्या से अवगत कराया तो उन्होंने एस डी एम अजय प्रताप सिंह से बात की तो उन्होंने खाद्य अधिकारी और नायब तहसीलदार को मौके पर पहुंचाया और समिति प्रबंधक को तौल कांटे बढ़ाने के निर्देश दिए।अब देखते हे कि कोई सुधार होता हे या किसान परेशान होते रहगे।किसानों ने कहा गर्मी की वजह से और तौल कांटे कम होने की बजह से बहुत कम तुलाई हो पा रही हे शाम को देर समय तक तूलाई की जावे ताकि किसानों की स्लॉट का समय निकलने से पहले तुलाई हो सके।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

नदीगांव में बिजली चोरों पर विजिलेंस का डंडा – 5 घरों में चोरी पकड़ी, FIR से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / कस्बा नदीगांव और आसपास के क्षेत्रों में बिजली चोरी के खिलाफ विजिलेंस टीम ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ा खुलासा किया है। अभियान के दौरान 5 घरों में अवैध कनेक्शन और मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते उपभोक्ताओं को रंगेहाथ पकड़ा गया। मौके पर ही कनेक्शन काटे गए और सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस सख्त कार्रवाई का नेतृत्व जेई अमन पाण्डेय और एसडीओ धर्मेन्द्र सिंह ने किया। टीम में टीजी-2 सूरज प्रसाद समेत अन्य विभागीय कर्मचारी शामिल रहे। चेकिंग के दौरान कई घरों में कटिया डालकर और मीटर बाईपास कर बिजली का खुलेआम दुरुपयोग पाया गया, जिसे टीम ने तत्काल हटाते हुए मौके पर ही सख्त कार्रवाई की। अचानक हुई इस छापेमारी से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कई लोग अपने अवैध कनेक्शन छिपाने में जुटे दिखे, लेकिन विजिलेंस टीम की सख्ती के आगे उनकी एक न चली। सूत्रों के मुताबिक, टीम ने कुछ अन्य संदिग्ध स्थानों को भी चिन्हित किया है, जहां जल्द ही दोबारा कार्रवाई हो सकती है। अधिकारियों ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि बिजली चोरी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ किया कि जो भी उपभोक्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ एंटी पावर थेफ्ट थाने में मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन लें और समय पर बिजली बिल जमा करें, अन्यथा अब कार्रवाई से बचना मुश्किल होगा। लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से साफ है कि बिजली चोरों के खिलाफ विभाग अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ चुका है।

अपना दल में लोगो को जिम्मेदारी मिली

क्यूँ न लिखूँ सच / कोंच(जालौन)। अपना दल एस में पार्टी संगठन को नये सिरे से मजबूत बनाने को लेकर अपना दल एस के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी और युवा मंच के प्रदेशीय महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर विक्की के द्वारा पार्टी कार्यकर्ता ओं को पार्टी में नई जिम्मेदारी दी गई है जिसने कोंच जोंन अध्यक्ष पद पर सभासद माधव यादव को बनाया गया है कोंच ग्रामीण जोन अध्यक्ष पद पर अनूप निरंजन बिरगुवा को बनाया गया है नदीगांव जोन अध्यक्ष हरिका प्रसाद परिहार जरा को बनाया गया है माधोगढ़ जोन अध्यक्ष हुकुम सिंह परिहार गोहन को नामित किया गया है रामपुरा जोन अध्यक्ष गेंदालाल पाल रामपुरा को बनाया गया है कालपी नगर अध्यक्ष के रूप में धीरेन्द्र तिवारी को रखा गया है कदौरा जोन अध्यक्ष का भार राजकुमार इटौरा को दिया गया है महेवा नगर अध्यक्ष गौरव सिंह चौहान को बनाया गया है कुठोद नगर अध्यक्ष का पद राजबीर सिंह नामदेव को सौंपा गया है जोन अध्यक्ष जालौन अभिनव पटेल महत्वानी को बनाया गया है जालौन ग्रामीण जोन अध्यक्ष विजय कुशवाहा लहचूरा को बनाया गया है उरई जोन अध्यक्ष पवन गुप्ता को बनाया गया है उरई ग्रामीण अध्यक्ष की जिम्मेदारी रामबाबू कुशवाहा पिया निरंजनपुर को दी गई है डकोर जोन अध्यक्ष चंद्र प्रकाश राठौर को बनाया गया है एट जोन अध्यक्ष विशाल चतुर्वेदी अकोड़ी को नामित किया गया है

मानसून बदलने से लोगो में बड़ी परेशानियाँ

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार /गंज बासौदा - वे मौसम

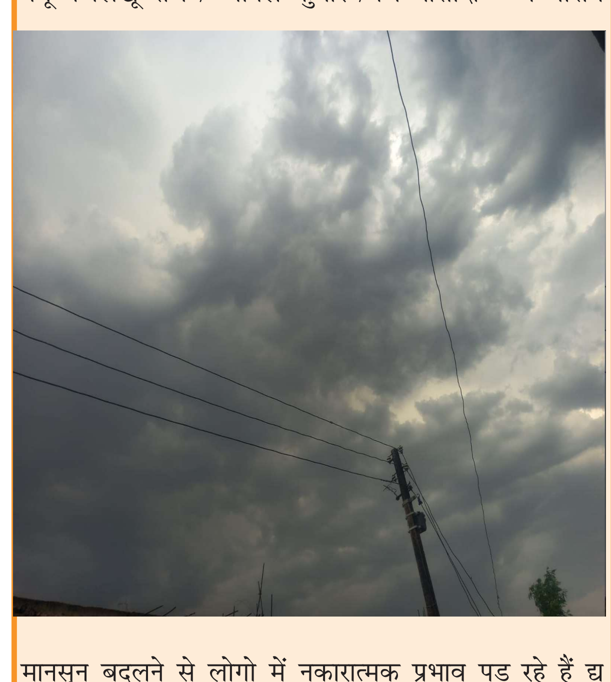

मानसून बदलने से लोगो में नकारात्मक प्रभाव पड़ रहे हैं द्य स्थानीय लोगो का कहना हैं लोगो की तरह मौसम भी अचानक बदले लगा हैं द्य मानव जीवन में संभालने के संकेत दिखाई दे रहे हैं द्य सोसायटियों में तुलाई हेतु लगे लाइनों में किसान भाइयों में छाई उदासी द्य किसानों का कहना हैं विपरित परिस्थिति में फसल तैयार करते हैं अब फसल बेचने का समय आया तो अब भी बदलते मौसम में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं द्य कभी तेज आधी तूफान, कभी तेज धुप तो कभी पानी की तेज बोछालो का सामना करना पड़ रहा हैं द्य मानव स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं द्य

If you experience stomach cramps or frequent pain, you may have this problem! Take care of it this way.

If you suffer from IBS, read this article to the end. Here, we'll explain this condition, as most people don't even know about it. If you have IBS, or Irritable Bowel Syndrome, soluble fiber can be very beneficial. In fact, IBS patients often experience problems like constipation, diarrhea, and bloating. In such cases, soluble fiber forms a jelly-like texture in the stomach, which soothes the intestines and balances the digestive process. Regular consumption improves IBS symptoms and reduces stomach problems. Many people remain unaware of its benefits and rely solely on medication for digestive problems. In this article, we'll explain what soluble fiber is, how it helps with IBS, and which diets can easily incorporate it into. What is Soluble Fiber?

Soluble fiber is a type of dietary fiber that dissolves in water to form a gel-like consistency. It softens the stomach and ensures slow digestion in the intestines. This reduces pressure on the digestive system and provides relief. How is it beneficial for IBS? Soluble fiber is very beneficial for IBS patients. It helps control both constipation and diarrhea. It also reduces abdominal bloating and maintains a balanced intestinal motility. Regular consumption also provides relief from abdominal discomfort and gas. What foods contain soluble fiber? Soluble fiber is found in many natural foods. Foods like oats, apples, bananas, carrots, beets, flax seeds, and mung beans are good sources of soluble fiber. By including these in your daily diet, you can easily reduce IBS symptoms. How to consume it? Consuming about 20-30 grams of soluble fiber daily is beneficial. It should be increased gradually so that the stomach does not get disturbed by this sudden change. It is also important to drink enough water while increasing the amount of fiber. Keep these things in mind - Suddenly consuming too much fiber can increase the problem of gas, bloating and stomach ache. Therefore, include it in your diet gradually and adjust the quantity as per the body's response. Apart from this, along with soluble fiber, it is also important to drink enough water, do light exercise and adopt measures to reduce stress. Yoga, meditation and improving the quality of sleep can further reduce the symptoms of IBS.

Shouldn't a water motor, refrigerator, and AC be run together? Clear up the confusion here.

It's often seen that some people avoid running high-voltage appliances at home at the same time. Many people don't know the reason behind this. Let's understand in this article when you can run these three things simultaneously. During the summer season, electricity consumption suddenly increases, which increases the load on household appliances. People often wonder whether it's safe to run high-power appliances like an AC, refrigerator, and water motor simultaneously. Technically, this depends on your home's wiring capacity and the sanctioned load. If your home's load is low and you run these three things simultaneously, there's a risk of voltage fluctuations and short circuits. Let's understand this in detail in this article. Main dangers of simultaneous operation: Running heavy appliances simultaneously increases the pressure on electrical wiring, which can cause them to overheat and melt. If there's a fuse near the main switch, it could melt, potentially causing a power outage. The MCB installed for safety may trip repeatedly, indicating excessive load. Sudden voltage drops can increase the risk of refrigerator or AC compressor failure. How to understand load management? - Check your electricity bill to see your "sanctioned load" (e.g., 2 kW or 5 kW). A typical AC and water motor can draw a combined load of 2.5 to 3 kW. In older homes with thin wiring, running all three appliances simultaneously can cause a fire. What to do for safety? - If your wiring is poor or old, or the sanctioned load is low, try to turn off the AC for at least some time when the water motor is running. If you have to run all three appliances regularly, it's best to increase your approved load from the electricity department. Use a high quality stabilizer for the refrigerator and AC so that the voltage remains stable. If the wiring of your house is good and the secund load is also as per the requirement, then you can run the refrigerator, AC and water motor together without any worry. Necessary precaution for the common man: Get the main wiring and sockets of the house checked by an expert once a year. Try not to use heavy equipment in the morning when the motor is running.

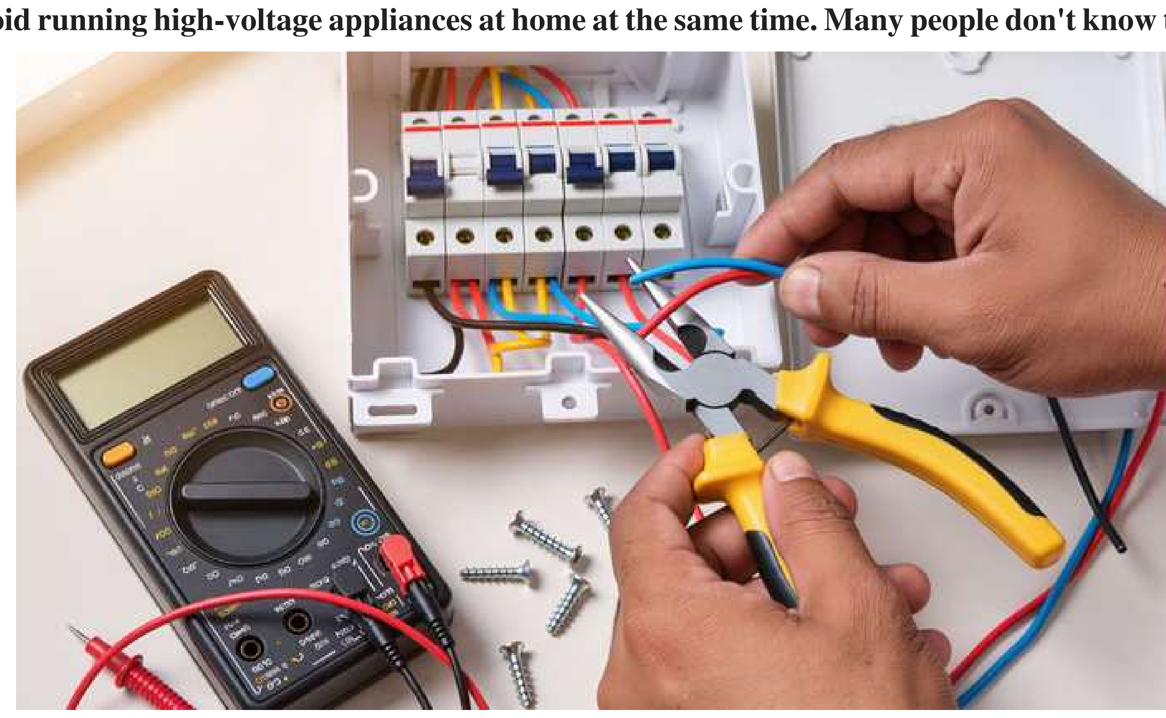

Do lemons and coriander dry out in the refrigerator? Try these simple tips to keep them fresh for weeks.

Storing lemons in an airtight container and coriander wrapped in a paper towel in the refrigerator retains their moisture, keeping them fresh for longer. Lemons and coriander are used daily during the summer. Both enhance the flavor of food and are also beneficial for health. However, it's often seen that even after being stored in the refrigerator, lemons dry out and coriander wilts. This affects the taste of food and requires frequent trips to the market for fresh lemons and coriander. By learning the proper way to store lemons and coriander, you can keep them fresh for longer. People often ask how lemons and coriander dry out even after being refrigerated. This is because many people put lemons and coriander directly in the refrigerator, which causes them to lose moisture and spoil quickly. If you're also facing this problem, you can keep these items fresh for longer by following some simple kitchen tips. This article explains some easy and effective ways to keep lemons and coriander fresh for days. The right way to store them in the refrigerator: Keep lemons in an airtight container - Leaving lemons open can cause them to lose moisture quickly. Therefore, store them in an airtight container or zip-lock bag. This keeps the lemons juicy and fresh for several days. Wrap coriander in a paper towel - Washing coriander and placing it directly in the refrigerator can cause it to rot quickly. Dry it thoroughly, then wrap it in a paper towel and store it in an airtight box. This will preserve its freshness for a longer period. Use water wisely - To keep coriander fresh, you can place it in a glass of water, just like flowers. Cover it with a light plastic cover and store it in the refrigerator. This method is also very effective. Maintain the correct refrigerator temperature - Extremely cold temperatures can damage lemons and coriander. Keep the refrigerator temperature moderate to maintain their moisture and freshness. Wash only as needed - Repeatedly washing lemons and coriander before storing them shortens their shelf life. It's best to wash them just before use to keep them fresh longer. How to store without a refrigerator? Using a glass of water - Place coriander roots in a glass or jar filled with a little water, just like flowers are kept in a bouquet. This keeps the leaves hydrated. According to experts, this method keeps coriander fresh for a long time. Wrapping in a damp cotton cloth - Clean the coriander and wrap it in a lightly damp cotton or muslin cloth and store it in a cool place. This provides the necessary moisture. Using an earthen pot - This traditional village method is very effective. Wrap the coriander in a cloth and place it inside an empty earthen pot or pot and close the lid. The natural coolness of the clay prevents it from wilting. Coating with oil - Apply a little coconut or cooking oil to the lemons and store them in a well-ventilated basket. The oil layer prevents moisture from escaping from the peel. Wrapping in paper - Wrap each lemon individually in newspaper or a paper towel and store it in a cool, dark place. This prevents them from yellowing and drying out quickly. Submerging - Fill a glass jar with water, add the lemons, and seal the lid. Change the water every other day. This way, lemons stay juicy for weeks.

From Heidi Klum to Jenna Ortega, these celebrities' looks were inspired by Bollywood; users drew a surprising connection.

Stars dazzled on the red carpet at the 2026 Met Gala in New York City on Tuesday. Fans compared their looks to Bollywood celebrities. While the 2026 Met Gala showcased a touch of art in celebrities' outfits, there appearances that fans actors. From Heidi Klum's Indian fans found everything Bollywood. Some users even See some fun photos... Katy topic at the 2026 Met Gala. McCartney-designed gown Katy Perry's look was the compared it to Shilpa Shetty's mask look. Heidi Klum living statue. Her marble-like Roshan. In a scene from the transformed himself into a a museum. Justin Bieber's attended the Met Gala. She with a golden top and wore a Fans compared her look to reminded fans of Deepika's the film "Yeh Jawaani Hai Roth chose a design inspired 2026 Met Gala. She wore a her carrying another person

were several red carpet compared to Bollywood look to Katy Perry's mask, at the event inspired by drew interesting connections. Perry's mask look was a hot Dressed in a Stella and a fencing-inspired mask, talk of the town. Fans husband Raj Kundra's stylish arrived at the Met Gala as a look reminded fans of Hrithik film "Dhoom 2," Hrithik statue to steal a diamond from wife, Hailey Bieber, also matched a navy blue skirt navy blue Scandinavian scarf. Deepika Padukone. This look look from "Badtameez Dil" in Deewani." Producer Jordan by the human figure for the sculptural dress that depicted on her back. Fans said that this look of hers was inspired by Arun Govil's show 'Vikram Betaal'. American actress Jenna Ortega chose a dress made of metal for the Met Gala 2026. She also used a ruler in it. Seeing this creative silver gown, fans were reminded of Urfi Javed's creativity. Urfi also once wore a dress made of blades. Connor Story chose a Saint Laurent outfit designed by Anthony Vaccarello for the Met Gala red carpet. Tory paired his look with a flowing polka-dot scarf with a black suit. This look was compared to an old look of Ranveer Singh, in which Ranveer was also seen wearing a polka dot print shirt.

Ekta Kapoor wrote this special note for Priyadarshan, thanking him for giving her the 'biggest hit' of her career.

"Bhoot Bangla" producer Ekta Kapoor thanked Priyadarshan for giving her the biggest hit of her career. She also penned a lengthy note for him. Akshay Kumar and Tabu's film "Bhoot Bangla" is currently in horror-comedy film was Priyadarshan's 100th film, Producer Ekta Kapoor is She expressed her joy in a post Ekta Kapoor's post: Today, director Priyadarshan on selfies of Ekta and clearly visible on their faces. Priyadarshan, she wrote in the who was making his 100th people may not have noticed their entire journey special. asked Ekta, "Are you making work on a film unless the wrote that Priyadarshan can of opinion, but they always director should steer the film, by praising Priyadarshan's giving her her biggest hit. stars Akshay Kumar and

theaters. Directed by Priyadarshan, this released on April 17, 2026. This film marks making it a very special one for the entire team. overjoyed with the success of "Bhoot Bangla." and penned a lengthy note for Priyadarshan. May 6th, Ekta Kapoor shared three selfies with Instagram, along with a sweet note. In these Priyadarshan, the joy of the film's success is Ekta Kapoor's special note: Thanking caption that she was working with a director film. Both are very determined. She wrote that the deep respect between them, which makes Ekta shared a funny story: Priyadarshan a profit from this film (Bhoot Bangla)? I don't producer is making a profit." She further be completely trusted. They had differences respected each other. Ekta believes that the and this time it was a great one. Ekta concluded vision and discipline and thanking him for "Bhoot Bangla" Collection - "Bhoot Bangla" Tabu, along with Paresh Rawal, Asrani, Rajpal Yadav, Vamika Gabbi, and Mithila Palkar. According to Sacnilk, the film earned ?231.03 crore worldwide. Its Indian collection was ?146.50 crore.

Is Neetu Kapoor's film "Dadi Ki Shaadi" a copy of a Pakistani telefilm? Sadia Khateeb responds

"Dadi Ki Shaadi," starring Neetu Kapoor and Kapil Sharma, is releasing in theaters on May 8th. Ahead of its release, actress Sadia Khateeb has responded to rumors of plagiarism surrounding the film. Actress Sadia rumors of plagiarism surrounding Neetu Kapoor and Kapil Sharma. a Pakistani telefilm of the same a key role. Sadia's reaction to title of the film "Dadi Ki Shaadi" media, Sadia said, "We announced started shooting. The Pakistani stories - Sadia clearly stated that the haven't copied anything from the Pakistani telefilm. The entire This film tells the story of an elderly falls in love and wants to remarry. Kapoor's daughter, Riddhima The film is directed by Ashish R. Kapoor - Sadia praised Neetu great and fun. She is very easygoing for me." "Dadi Ki Shaadi" is a Release - A special screening was attended by several members of the Alia Bhatt, and actress Rekha. The 2026. Neetu Kapoor and Kapil

Khateeb has categorically dismissed the serial "Dadi Ki Shaadi," starring Her response comes amid comparisons to name, in which Sadia Khateeb also played "Dadi Ki Shaadi" Sadia stated that the was announced long ago. Speaking to the the title in December 2025, when we telefilm came after this. Both have different two stories are not the same. She said, "We anyone. This is completely different from story is different." The story of "Dadi" - woman (Dadi) in a family who suddenly This surprises the entire family. Neetu Kapoor Sahni, will also be seen in this film. Mohan. Experience working with Neetu Kapoor, saying, "Working with her was and genuine. She made everything easy comedy-family drama. Screening and held on May 5th before the film's release, Kapoor family, including Ranbir Kapoor, film will be released in theaters on May 8, Sharma star alongside Sadia Khateeb and Riddhima Kapoor Sahni. The film also stars R. Sarathkumar, Satinder Kasoana, and Teju Kolhapure in supporting roles.